Roll No. ..... Total Pages: 03

5173-B

M.A. (FINAL) EXAMINATION, 2019
SANSKRIT LITERATURE
Paper – III
SANKHYA AVAM YOG DARSHAN

Time: Three Hours
Maximum Marks: 100

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 50]*

Answer five questions (250 words each).

Selecting one from each unit. All questions carry equal marks.

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

Answer any two questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

*कोई **दो प्रश्न** कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।*

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड– अ

प्र.1 निम्न प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–

(i) त्रिविध दुःखों का सांख्यानुसार नामोल्लेख कीजिए।

(ii) त्रिविध गुणों का नामोल्लेख कीजिए।

(iii) प्रकृति के भेदों का नामोल्लेख कीजिए।

(iv) पुरुष की सिद्धि के तर्क दीजिए।

(v) सांख्य मत में तत्वों का नामोल्लेख कीजिए।

(vi) सांख्य दर्शन के अनुसार अहंकार का स्वरूप लिखिए।

(vii) ''योगसूत्र'' के दो भाष्यकारों या वृत्तिकारों के नाम लिखिए।

(viii) 'चित्तवृत्ति का अर्थ एवं इसके प्रकार बताइये।

(ix) योगदर्शन के अनुसार सिद्धियों की संख्या व नाम लिखिए।

(x) योग मत में कैवल्य का अर्थ समझाइये।

खण्ड– ब

इकाई – I

कारिका की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

प्र.2 दृष्टवदानुश्रविकः सह्यविशुद्धिक्षयातिशययुक्तः।

तद्विपरीतः श्रेयान् व्यक्ताव्यक्तज्ञविज्ञानात्।।

प्र.3 सौक्ष्म्यात्तदनुपलब्धिर्नाभावात् कार्यतस्तदुपलब्धेः।

महदादितच्चकार्यं प्रकृतिसरूपं विरूपं च।।

इकाई – II

प्र.4 सत्वं लघु प्रकाशकमिष्टमुपष्टम्भकं चलं च रजः।

गुरुवरणकमेव तमः, प्रदीपवच्चार्थतो वृत्तिः।।

प्र.5 जननमरण करणानां प्रतिनियमादयुगपत्प्रवृत्तेश्च।

पुरुषबहुत्वं सिद्धं त्रैगुण्य विपर्ययाच्चैव।।

इकाई – III

प्र.6 पुरुषस्य दर्शनार्थं कैवल्यार्थं तथा प्रधानस्य।

पङ्ग्वन्धवदुभयोरपि संयोगस्तत्कृतः सर्गः।।

प्र.7 एते प्रदीपकल्पाः परस्परविलक्षणाः गुणविशेषाः।

कृत्स्नं पुरुषस्यार्थं प्रकाश्य बुद्धौ प्रयच्छन्ति।।

इकाई – IV

निम्न सूत्रों की भोजवृत्ति के आलोक में व्याख्या कीजिए–

प्र.8 ''योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः।''

प्र.9 तस्यवाचकः प्रणवः।

इकाई – V

प्र.10 सुखानुशयी रागः।।

प्र.11 तस्मिन् सति श्वास–प्रश्वासयोर्गतिविच्छेदः प्राणायामः।।

खण्ड– स

प्र.12 सांख्यदर्शन के अनुसार सत्कार्यवाद का प्रतिपादन कीजिए।

प्र.13 पुरुष के अस्तित्व के पक्ष में तर्क दीजिए।

प्र.14 द्विविध समाधि का निरूपण कीजिए।

प्र.15 पंच क्लेशों का विवेचन कीजिए।